# MP BOARD CLASS 10 HINDI SEPCIAL QUESTION PAPER WITH ANSWER-2017

## म. प्र. बोर्ड कक्षा 10 हिन्दी विशिष्ट प्रश्न पत्र एवम उत्तर 2017

निर्देशः

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल कीजिए।
2. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1×5×5=25 अंक निर्धारित हैं।
3. प्रश्न क्रमांक 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए दो-दो अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक उत्तर भगभग 30 शब्दों में लिखिए।
4. प्रश्न क्रमांक 17 से 19 तक के लिए तीन-तीन अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 30 से 75 शब्द है।
5. प्रश्न क्रमांक 20 से 25 तक के लिए चार-चार अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 75 से 120 शब्द है।
6. प्रश्न क्रमांक 26 एवं 27 के लिए पाँच-पाँच अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 120 से 150 शब्द हैं।
7. प्रश्न क्रमांक 28 के लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। ''अ'' के लिए 7 अंक तथा ''ब'' के लिए 3 अंक। ''अ'' के लिए शब्द सीमा 200 से 250 शब्द है।
8. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।

प्र.1. निम्नलिखित कथनों के सही विकल्प चुनकर लिखिए: 1ग5त्र5

1. सूर के पदों की भाषा है:
(अ. अवधी (ब) ब्रज (स) हिन्दी (द) बुन्देलखण्डी।
2. कवि ने बादलों को कहाँ घिरते देखा है?
(अ. अमल धवल गिरि पर (ब) तालाब में (स) चट्टानों में (द) बागों में।
3. आधुनिक मीरा के नाम से प्रसिद्ध है:
(अ. ऊषा प्रियंवदा (ब) सुभद्रा कुमारी चैहान (स) महादेवी वर्मा (द) रजनी पनिकर।
4. सब कुछ जानने वाले को क्या कहा जाता है?
(अ. जानकार (ब) ज्ञानी (स) बहुज्ञानी (द) सर्वज्ञ।
5. ''बैल की बिक्री'' कहानी का केन्द्रीय चरित्र है:
(अ. मोहन (ब) शिबू (स. साहूकार (द) मुनीम।

उत्तर: (1) (ब) ब्रज (2) (अ) अमल धवल गिरि पर (3) (स) महादेवी वर्मा (4) (द) सर्वज्ञ (5) (ब) शिबू

प्र.2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द का चयन कर कीजिए: 1×5=5

1. गिरधर द्वारा प्रयुक्त छंद ...........हैं। (दोहा/कुंडलियाँ)
2. पद्माकर ............के प्रमुख कवियों में से एक हैं। (रीतिकाल/भक्तिकाल)
3. जिसके प्रति स्थायी भाव उत्पन्न हो, वह ........... कहलाता है। (आलम्बन/उद्दीपन)
4. पहली चूक......................विधा की रचना है। (कहानी/व्यंग्य निबंध)
5. ''रिपोर्ताज'' मूल रूप से ....................भाषा का शब्द है। (फ्रेंच/अंग्रेजी)

उत्तरः (1) कुंडलियाँ (2) रीतिकाल (3) आलम्बन (4) व्यंग्य निबंध (5) फ्रेंच

प्र.3. निम्नलिखित वाक्यों के लिये सत्य/असत्य लिखिये: 1×5=5

1. रामचरित मानस का प्रमुख छंद चैपाई है।
2. ''लोकायतन'' के रचयिता सूरदास हैं।

3. 'करुण रस' का स्थायी भाव 'शोक' है।
4. मनोहर शब्द में व्यंजन संधि है।
5. स्वामी रामतीर्थ एक बार जापान गए थे।
उत्तर: (1) सत्य (2) असत्य (3) सत्य (4) असत्य (5) सत्य

प्र.4. निम्नलिखित वाक्यांशों का मिलान कर सही जोड़ी बनाइये: 1×5=5
1. जिसके नीचे रेखा खींची गई हो क. महाकाव्य
2. पंचवटी ख. तत्पुरुष समास
3. पुरुषोतम को सभी जानते थे। ग. रेखांकित
4. देशभक्ति घ. द्रोणाचार्य
5. श्रीकृष्ण के गुरू ङ. सत्यवादिता के लिए
च. खण्ड काव्य
छ. सांदीपनि
उत्तर: (1) जिसके नीचे रेखा खींची गई हो - (ग) रेखांकित
(2) पंचवटी - (च) खण्ड काव्य
(3) पुरुषोत्तम को सभी जानते थे - (ङ.) सत्यवादिता के लिए
(4) देश भक्ति - (ख) तत्पुरुष समास
(5) श्रीकृष्ण के गुरू - (छ) सांदीपनि

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य या एक शब्द में लिखिए: 1×5=5
1. निन्दा रस के लेखक कौन हैं?
2. ललित कलाओं का स्वभाव कैसा होता है?
3. बिना विचारे कार्य करने से क्या होता है?
4. आश्रय के चित्त में उत्पन्न होने वाले अस्थिर मनोविकारों को क्या कहते हैं?
5. सच्चरित्र का संधि विच्छेद कर संधि का नाम बताइये।
उत्तर: (1) हरिशंकर परसाई।
(2) फूल की तरह होता है।
(3) हानि होती है और पश्चाताप होता है।
(4) संचारी भाव कहते हैं।
(5) सत्+ चरित्र - व्यंजन संधि।

प्र.6. श्रीकृष्ण के ललाट पर टीका की समानता किससे की गई है? 2
उत्तर: श्रीकृष्ण के ललाट पर टीका बहुत अच्छा लग रहा है। यह टीका श्वेत रत्नों से भरा जड़ा है इसलिए इससे सफेद चमक निकल रही है। यही कारण है कि श्वेत रत्नों से जड़े गए इस टीके की तुलना रवि से की गई है। क्योंकि रवि की किरणें भी टीके की तरह सफेद और चमकीली होती है।

अथवा
कुब्जा कौन थी? उसका उद्धार किसने किया?

प्र.7. कवि अज्ञेय के अनुसार कांटे की मर्यादा क्या है? 2

अथवा

ईश्वर ने रोगों को दूर करने के लिए मनुष्य को क्या दिया है?
उत्तरः ईश्वर ने पूरी श्रृष्टि की रचना की हैं उन्होंने मनुष्य को अनेक सहायता प्रदान की है। उन्होंने रोगों को दूर करने के लिए मनुष्य को जड़ी-बूटी और औषधियां प्रदान की हैं।

प्र.8. 'उद्बोधन' कविता में भ्रामरी किसका अभिनंदन करती है? 2

अथवा
दयामयी माता के तुल्य किसे माना गया है?
उत्तर: दयामयी माता के तुल्य मातृभूमि को माना गया है क्योंकि 'माँ भूमि' हम मनुष्यों तथा जीव-जन्तुओं पर बहुत उपकार करती हैं। इसलिए मातृभूमि की सेवा करना हमारा परम कत्र्तव्य है।

प्र.9. व्यक्ति सम्मान के योग्य कब बन जाता है? 2
उत्तरः केवल उच्च पद पा लेने से व्यक्ति सम्मान के योग्य नहीं बनता है। सम्मानीय होने के लिए उसे परोपकारी बनना पड़ता है। परोपकारी व्यक्ति के लिए सम्मान का भाव अपने आप जागृत हो जाता है।

अथवा
प्रत्येक सफल राहगीर क्या लेकर आगे बढ़ा है?

प्र.10. आसमान में किस तरह के बादल उड़ रहे थे? 2

अथवा
मनु को हर्ष मिश्रित झटका सा क्यों लगा?
उत्तरः एकान्त जगत में मनु थकान से चूर होकर नीचे मुँह लिए बैठे थे तब श्रृद्धा ने वहाँ आकर उनसे परिचय जानना चाहा। श्रद्धा का स्वर इतना मीठा और रूप इतना कान्तिवान था कि मनु को श्रृद्धा के सौन्दर्य को देखकर हर्ष मिश्रित झटका सा लगा।

प्र.11. राजा दीवान सुजान सिंह का आदर क्यों करते थे? 2
उत्तर: लोक संस्कृति का जन्म ''गाँवों'' में हुआ है। हमारी भारतीय संस्कृति गाँवों में जीवित है और ग्रामीण हमारे विकास के प्रेरणा स्त्रोत होते हैं।

अथवा
लोक संस्कृति का जन्म कहाँ हुआ?

प्र.12. 'बैल की बिक्री' कहानी के अनुसार मोहन शिबू के विषय में क्यों चिंतित था? 2
उत्तरः ''बैल की बिक्री'' कहानी के अनुसार मोहन शिबू की उद्यण्डता और निश्चिन्तता से चिन्तित रहा करता था क्योंकि शिबू स्वभाव में उद्यण्ड था। उसका मन घर के काम-काजों में नहीं रहता था। वह अपने पिता के रखे पैसों पर भी हाथ साफ करता था।

अथवा
गीता शास्त्र के महान उपदेशक कौन है?

प्र.13. देश के सामूहिक मानसिक बल का ह्रास कैसे हो रहा है? 2

अथवा

''मातृभूमि का मान'' एकांकी के आधार पर वीरसिंह के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: वीर सिंह के चरित्र की विशेषताएँ:- वीर सिंह के चरित्र की निम्न विशेषताएं थी।

(1) वे मातृभूमि के सच्चे सेवक एवं मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना रखने वाले व्यक्ति थे।

(2) उनसे मातृभूमि का अपमान बर्दाश्त नहीं होता था।

प्र.14. स्वर्ग की नींव का पता किस प्रकार लग सकता है? 2

उत्तर: जीवन में चतुर्दिक समृद्धि एवं खुशहाली से धरती पर स्वर्ग आने वाला है। जब गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी का नाम और निशान मिट जाएगा तब समझ लीजिए कि धरती पर स्वर्ग की नींव डाली जा चुकी है।

अथवा

दीपक से मानव जीवन की तुलना किस रूप में की गई है?

प्र.15. निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए: (कोई दो) 2

1. जो ईश्वर पर विश्वास करता है।
2. वह बच्चा जिसके माता-पिता न हों।
3. जिसके समान दूसरा न हो।

उत्तर: (1) आस्तिक (2) अनाथ

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: (कोई दो)

1. श्री गणेश करना।
2. दिन-रात एक करना।
3. गागर में सागर।

प्र.16. हास्य रस की परिभाषा लिखिए। 2

उत्तर: हास्य रस की परिभाषा:- काव्य में जहाँ किसी व्यक्ति की विकृत वाणी, आकृति चेष्टा आदि का वर्णन हो जिससे मन में हँसी उत्पन्न होती है, हास्य रस कहलाता है। इसका स्थायी भाव हास है।

उदाहरण:- ''मै महावीर हूँ, पापड़ तोड़ सकता हूँ।

यति गुस्सा आ जाए तो कागज भी मरोड़ सकता हूँ।।

अथवा

गीतिका छंद की परिभाषा लिखिए।

प्र.17. धर्मवीर भारती के अनुसार ''अधबनी धरा'' पर अभी क्या क्या बनना शेष है? 3

उत्तर: धर्मवीर भारती के अनुसार ''अधबनी धरा'' पर अभी निर्माण के लिए नए प्रतिमान गढ़े जाने शेष हैं। धरती को स्वर्ग बनाने की नीव तक अभी नहीं डाली सकी है। अभी बहुत कार्य बाकी हैं।

अथवा

स्वामी विवेकानन्द से निवेदिता की मुलाकात कब कहाँ और कैसे हुई?

प्र.18. अतिश्योक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिये। 3

उत्तरः अतिश्योक्ति अलंकार की परिभाषाः- काव्य में जहाँ किसी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कही जाती है वहाँ अतिश्योक्ति अलंकार होता है। इसमें लोकसीमा का उल्लंघन होता है।

उदाहरण: - ''पड़ी अचानक नदी अपार, घोड़ा कैसे उतरे उस पार। राणा ने सोचा इस पार, तब तक था चेतक उस पार।।

स्पष्टीकरण: - यहाँ घोड़े का तेज दौड़ता लोक सीमा का उल्लंघन है अतः यहाँ अतिश्योक्ति अलंकार है।

अथवा

महाकाव्य और खण्डकाव्य में कोई तीन अंतर लिखिये।

प्र.19. निम्नलिखित शब्दों के समास विग्रह करते हुए समास के नाम बताइये: 3

1. प्रत्येक
2. नवग्रह
3. महाराजा

उत्तर:

सामासिक शब्द - समास विग्रह - समास का नाम

(1) प्रत्येक - एक एक के प्रति - अवययीभाव समास
(2) नवग्रह - नौ ग्रहों का समहार - द्विगु समास
(3) महाराजा - महान है जो राजा - कर्मधारय समास

अथवा

निम्नलिखित शब्दों की संधि विच्छेद करते हुए संधि का नाम लिखिए:

1. मनोभाव
2. अत्याधुनिक
3. जगन्नाथ

प्र.20. आधुनिक काल की कोई दो विशेषताएँ लिखते हुए बताइए कि इसे गद्य काल क्यों कहा जाता है? 4

अथवा

छायावाद की प्रमुख दो विशेषताएँ लिखते हुए इस काल के चार कवियों के नाम उनकी रचनाओं सहित लिखिए।

उत्तरः छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ:-

(1) व्यक्तिवाद की प्रधानता- छायावाद में व्यक्तिगत भावनाओं की प्रधानता है। वहाँ कवि अपने सुख-दुख एवं हर्ष-शोक को ही वाणी प्रदान करते हुए खुद को अभिव्यक्ति करताहै।

(2) प्रकृति का मानवीकरण- छायावादी कवियों ने प्रकृति को अनेक रूपों में देखा है। कहीं उसने प्रकृति को प्रेयसी के रूप में अपनाया है तो कभी नारी के रूप को देखकर उसके सूक्ष्म सौन्दर्य का चित्रण किया है।

छायावादी कवियों के नाम - रचनाएँ

जयशंकर प्रसाद - कामायनी, लहर

सुमित्रानन्दन पन्त - वीणा, ग्रंथि

महादेवी वर्मा - नीरजा, नीहार

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - रीतिका, अनामिका

प्र.21. कहानी एवं उपन्यास में कोई चार अंतर लिखिए। **4**

अथवा

नाटक एवं एकांकी में कोई चार अंतर लिखिए।

उत्तरः नाटक और एकांकी में अंतर:-

(नाटक)

(1) नाटक में अनेक अंक होते हैं।

(2) नाटक में अधिकारिक के साथ सहायक और गौण कथाएँ भी होती है।

(3) कथानक की विकास प्रक्रिया धीमी होती है।

(4) नाटक के कथानक में विस्तार और फैलाव अधिक होता है।

(एकांकी)

(1) एकांकी में एक अंक होता है।

(2) एकांकी में एक ही कथा घटना रहती है।

(3) कथानक प्रारंभ से ही चरम लक्ष्म की ओर द्रुत गति से बढ़ता है।

(4) एकांकी के कथानक में घनत्व रहता है।

प्र.22. सूरदास अथवा राम नरेश त्रिपाठी की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर

लिखिए: **1+2+1=4**

1. दो रचनाएँ
2. भावपक्ष, कलापक्ष
3. साहित्य में स्थान।

उत्तर: सूरदास

(1) दो रचनाएँ: सूर सागर, सूर सारावली।

(2) भाव पक्ष, कलापक्ष-

भाव पक्ष- सूरदास भगवान 'श्रीकृष्ण' के अनन्य भक्त थे। उन्होंने लीला पुरुषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण की अनेक लीलाओ का वर्णन अपने सम्पूर्ण काव्य में किया है। इसमें राधा-कृष्ण का प्रेम और गोपी विरह की प्रमुखता है। सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट कहे जाते है। 'चन्द्र खिलौना लैहों मैया मेरी खेलन अब मेरी जाई बलैया' पदो से सिद्ध होता है कि सूरदास बाल मनोविज्ञान के ज्ञाता तथा कुशल चित्रकार थे।

कला पक्ष- सूरदास ने बृज भाषा में साहित्य रचना प्रारंभ की। सूर की यह भाषा साहित्यिक होते हुए भी आम बोल चाल की भाषा के बहुत निकट है। मार्मिक तथा गंभीर भाव और विचार अभिव्यक्त करने में सूर की भाषा पूर्ण रूप से समर्थ है। सूर की भाषा में प्रसाद तथा माधुर्य गुण की प्रधानता है। शैली की दृष्टि से सूर ने गीतों की पदशैली को अपनाया है। अलंकार और छन्दों के उचित और कलापूर्ण प्रयोग के कारण आपकी रचनाएँ अधिक लोकप्रिय है।

(3) साहित्य में स्थान:- सूरदास भक्तिकाल के कृष्णभक्ति शाखा के श्रेष्ठ कवि हैं। हिन्दी साहित्य में सूरदास को वात्सल्य सम्राट के रूप में विशेष स्थान प्रदान किया जाता है।

प्र.23. हजारी प्रसाद द्विवेदी अथवा प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए। **1+2+1=4**

1. दो रचनाएँ

2. भाषा-शैली
3. साहित्य में स्थान।

उत्तर: हजारी प्रसाद द्विवेदी
(1) दो रचनाएँ:- अशोक के फूल कुटज
(2) भाषा शैली:- द्विवेदी जी ने अपनी रचनाओं के अनुरूप ही भाषा का प्रयोग किया है। उनकी भाषा के तीन रूप हैं तत्सम प्रधान, सरल तद्भव प्रधान तथा उर्दू-अंग्रेजी शब्द युक्त व्यावहारिक रूपों का भी विषयानुसार प्रयोग हुआ है। उनकी भाषा शुद्ध और खड़ी बोली है। शब्द चयन उत्तम और वाक्य विन्यास सुगठित है। भाषा को गतिशील और प्रवाहपूर्ण बनाने के लिए आपने स्थान-स्थान पर अनेक प्रकार की भाषाओं अथवा बोलियों का प्रयोग किया है। आपकी भाषा सहज, सरल, सुबोध, प्रांजल और प्रवाहभरा है। संस्कृत भाषा की प्रचुरता एवं कहीं-कहीं लम्बे वाक्यों के कारण आपकी भाषा में विलप्टता आ गई है। आपने हिन्दी गद्य साहित्य के विविध विषयों पर अपनी लेखनी चलाई है।
(3) साहित्य में स्थान :- उच्च कोटि के विद्वान, महान विचारक तथा कुशल रचनाकार के रूप में द्विवेदी जी को हिन्दी गद्य साहित्य में पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ उच्च स्थान प्रदान किया जाता है। समग्रतः द्विवेदी जी हिन्दी गद्य साहित्य के महान विभूति थे।

अथवा
उत्तर: प्रेमचन्द्र का साहित्यिक परिचय
1. दो रचनाएँ:- गोदान, कर्मभूमि।
2. भाषा-शैली:- प्रेमचन्द जी ने व्यावहारिक खड़ी बोली के सहज, सरल, प्रवाहमय रूप में लेखन कार्य किया है। आपने अपनी भाषा में आकर्षण तथा चमत्कार लाने हेतु उर्दू भाषा के शब्दों का प्रयोग किया। आपने अपनी भाषा शैली को प्रभावशील तथा गतिशील बनाने हेतु लोकोक्तियों मुहावरों का यथास्थान प्रयोग किया। आपने विचारात्मक, भावात्मक तथा विश्लेषणात्मक शैली में अपनी रचनाएँ लिखी। आपका भाषा बोधगम्य, प्रवाहमय तथा रुचिकर है। अलंकारों का सहज प्रयोग भी आपने अपनी रचनाओं में किया।
3. साहित्य में स्थान:- हिन्दी साहित्य जगत में कहानीकार व उपन्यास सम्राट के रूप में आप सुविख्यात है।

प्र.24. निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या संदर्भ प्रसंग सहित कीजिए: 4
''भर रही कोकिला इधर तान,
मारू बाजे पर उधर गान,
हैं रंग और रण का विधान,
मिलने आए हैं आदि-अंत
वीरों का कैसा हो वसंत?

उत्तरः संदर्भः- प्रस्तुत पद्यांश 'शौर्य और देश प्रेम' के शीर्षक 'वीरों का कैसा हो वसंत' से अवतरित है। इसकी कवयित्री 'सुभद्रा कुमारी चैहान' हैं।
प्रसंगः- प्रस्तुत पद में वीरों को उनके कर्तव्य के प्रति जागरूक कराने की कोशिश की गई है।
व्याख्याः- कवयित्री कहते है कि एक तरफ वसंत ऋतु में कोयल अपनी मधुर तान भर रही है और एक तरफ मारूबाजे का स्वर सुनाई दे रहा है। एक तरफ सभी ओर रास-रंग बिखरा हुआ है और एक तरफ

युद्ध की रण भूमि वीरों का बलिदान माँग रही है। अतीत की शौर्य परक गौरवमयी गाथाओं के आधार पर वीर स्वयं निर्णय करें कि उनका बसंत कैसा हो? क्या वे मातृभूमि के लिए रण में अपना बलिदान देने को तैयार हैं?
विशेषः- वीर रस का समावेश है। खड़ी बोली का प्रयोग है।

अथवा
मानव जिस ओर गया
नगर बसे, तीर्थ बने
तुमसे है कौन बड़ा
गगन सिंधु मित्र बने
भूमा का भोगो सुख, नदियों का सोम पियो
त्यागो सब जीर्ण बसन, नूतन के संग-संग चलते चलो''

प्र.25. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए: **4**
''बदलते हुए समय में लोक संस्कृति के बदलते हुए रूप से इन्कार नहीं किया जा सकता। लोक साहित्य में युग के अनुकूल अपने को ढालने की और नया युग का मार्गदर्शन करने की अपूर्ण क्षमता होती है। चुनौती के सामने सिर झुकाना लोक का स्वभाव नहीं है। लोक की गंगा तो युग-युग से प्रवाहमान रही है।''

अथवा
''हमारे देश को दो बातों की सबसे पहले और सबसे ज्यादा जरूरत है। एक शक्तिबोध और दूसरा सौन्दर्य बोध। बस, हम यह समझ ले कि हमारा कोई भी काम ऐसा हो जो देश में कमजोरी की भावना को बल दे या कुरुचि की भावना को ही।''

उत्तरः संदर्भ:- प्रस्तुत गद्यांश ''मैं और मेरा देश'' नामक निबंध से उद्धृत किया गया है। इसके लेखक 'कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर' जी है।
प्रसंग:- प्रस्तुत गद्य में देश के शक्ति बोध तथा सौन्दर्य बोध के प्रति नागरिकों को जागरूक किया गया है।
व्याख्या:- लेखक लिखते हैं कि हमारे देश को दो बातों की सर्वाधिक आवश्यकता है। पहली शक्ति बोध, दूसरी सौन्दर्य बोध।
हमें दृढ़ निश्चय कर लेना चाहिए कि हमारे किसी भी कार्य से देश की कमजोरी बो बल न मिले। हमारे कार्य राष्ट्र को सबल बनाने वाले हैं और यह भी आवश्यक है कि कार्य श्रेष्ठ सुन्दर और सकारात्मक हो। हमें ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए जिससे देश की कमजोरी को बल मिले। हमें हमारे राष्ट्र का विकास करना चाहिए।
विशेषः- सहज, सरल भाषा का प्रयोग किया गया है। राष्ट्र के प्रति जागरूकता की भावना पैदा की गई है।

प्र.26. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **5**
''आदर्श व्यक्ति कर्मशीलता में ही अपने जीवन की सफलता समझता है। जीवन का प्रत्येक क्षण वह कर्म में लगाता है। विश्राम और विनोद के लिए उसके पास निश्चित समय रहता है। शेष समय जन सेवा में व्यतीत होता है। हाथ पर हाथ धर कर बैठने को वह मृत्यु के समान समझता है। काम करने

की उसमें लगन होती है। उत्साह होता है। विपत्तियों में भी वह अपने चरित्र का सच्चा परिचय देता है। धैर्य की कुदाली से वह बड़े-बड़े संकट पर्वतों को ढहा देता है। उसकी कार्यकुशलता देखकर लोक दाँतों तले ऊँगली दबाते हैं। संतोष उसका धन है। वह परिस्थितियों का दास नहीं है। परिस्थितियाँ उसकी दासी हैं।''

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
2. उपर्युक्त गद्यांश में वर्णित व्यक्ति के गुणों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तरः 1. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक ''आदर्श संतोषी व्यक्ति'' है।

2. इस गद्यांश में बताया गया है कि एक आदर्श व्यक्ति अपने कर्म को ही महान समझता है और वह निरंतर अपने कर्म में लगा हुआ रहता है। वह विश्राम और विषय वासना की चीजों पर ध्यान नहीं देता है और वह अपना जीवन लोगों की सेवा में समर्पित कर देता है। वह उसके अन्दर विपत्तियों को धैर्यपूर्वक धारण करता है। तथा उस व्यक्ति से सभी प्रभावित भी होते हैं। और उस व्यक्ति की सबसे बड़ी पूँजी 'संतोष' होता है।

प्र.27. अपने शहर के नगरपालिका अधिकारी को आवेदन पत्र लिखते हुए वार्ड में व्याप्त गंदगी को दूर करने का निवेदन कीजिए। 5

अथवा

अपने बड़े भाई को पत्र लिखिए और उन्हें बताइए कि गर्मी की छुट्टियाँ किस प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं?

उत्तर:

20, अशोक नगर<br>
जबलपुर (मध्यप्रदेश)<br>
दिनांक ........................

आदरणीय भाई साहब,<br>
सप्रेम नमस्कार!

मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा है कि आप भी आनन्दमय होंगे। मैं अभी परीक्षा की तैयारी में लगी हूँ इसलिए पत्र लिखने में देर हो गई। परीक्षाएँ समाप्त होते ही विद्यालय की ओर से एक ग्रीष्मावकाश भ्रमण का आयोजन किया गया है। भ्रमण के लिए सभी लोग कश्मीर जाएगें। मैं इस भ्रमण पर जाना चाहती हूँ। इसके लिए प्रत्येक विद्यार्थी को दो हजार रूपये जमा करने हैं।

अतः मुझे तीन हजार रूपये भेजने की कृपा करें, जिससे मैं रूपये जमा कर सकूँ। माता-पिता जी को चरण स्पर्श और भाभी जी को प्रणाम।

आपकी बहन<br>
अनुपमा

प्र.28. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर सटीक रूपरेखा बनाकर लगभग 200–250 शब्दों 7 में निबंध लिखिये: 7

1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी
2. आतंकवाद
3. पर्यावरण प्रदूषण

4. जीवन में खेलों का महत्व
5. इन्टरनेट आधुनिक जीवन की आवश्यकता।

उत्तरः ''पर्यावरण प्रदूषण''
रूपरेखाः- (1) प्रस्तावना ''पर्यावरण का परिचय''।
(2) प्रदूषण के प्रकार।
(3) वायु प्रदूषण।
(4) जल प्रदूषण।
(5) ध्वनि प्रदूषण।
(6) प्रदूषण रोकने के उपाय।
(7) उपसंहार।
प्रस्तावनाः- पर्यावरण शब्द परि+आवरण के योग से बना है। परितंत्र का अर्थ है चारों ओर तथा आवरण का अर्थ है- ढकने वाला। अर्थात् वह आवरण जो हमारे चारो ओर फैलकर हमें ढके हुए है तथा मानव को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किए हुए है, पर्यावरण कहलाता है। प्रकृति ने हमारे लिए स्वस्थ और सुखद पर्यावरण का निर्माण किया था परन्तु वाहनों से निकलते धुएँ, उद्योगों से छोड़ा गया जल, कारखानों से आने वाली आवाजें, आदि ने पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ दिया है। तथा इन सबके कारण प्रदूषण बढ़ रहा हैं।
''सफलता में डूबा मानव जब तक नहीं जागेगा।
पर्यावरण प्रदूषण का भूत नहीं भागेगा''।
प्रदूषण के प्रकारः- मुख्य रूप से प्रदूषण दो कारणों से उत्पन्न होता है। पहला प्राकृतिक आपदाओं से तथा दूसरा मानवीय क्रिया कलापों से। मानव ने अपनी क्रियाओं और अपने स्वार्थ के लिए पर्यावरण के संतुलन को क्षत-विक्षत कर दिया है। सामान्यतः प्रदूषण का अध्ययन हम तीन रूपों में करते हैं। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण।
वायु प्रदूषणः- वायु हमारे प्राणों का आधार है। वायु में आॅक्सीजन की मात्रा का कम होना तथा कार्बनडाई आॅक्साइड एवं क्लोरो-फ्लोरो कार्बन आदि हानिकारक गैसों की मात्रा में वृद्धि होने से ध्रुवों की बर्फ पिघलना, ओजोन क्षरण होना तापमान में वृद्धि होना आदि वायु प्रदूषण के उदाहरण है। इससे अनेक रोग भी उत्पन्न होते है जैसे- श्वासरोग, हृदयरोग, अस्थमा, आँखों में जलन आदि। वायुप्रदूषण न केवल पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है बल्कि यह मानव और जीव-जगत के लिए भी खतरा उत्पन्न कर रहा है।
जल प्रदूषणः- जल जीवन की प्रमुख आवश्यकता है। जल के भौतिक, रासायनिक अथवा जैविक गुणों में अनचाहे परिवर्तन से जिससे प्राणी मात्र के स्वास्थ्य सुरक्षा और कल्याण को प्रभावी तौर से हानि पहुँची है, जल प्रदूषण कहलाता है। गाँवों अथवा शहरों में स्वच्छ और दोष रहित पानी न मिलने के कारण अनेक लोग गंभीर रोगों के शिकार हो रहें हैं। प्रतिवर्ष अनेक लोग जल प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के कारण मर रहें हैं। कुओं अथवा तालाबों में गन्दी नाली का जल मिल जाता है और उसे प्रदूषित करता है। जल प्रदूषण मानव की अनेक प्रक्रियाओं का परिणाम है इसके कारण अनेक रोग जैसे- पीलिया, हैजा, टायफाइड आदि रोग हो रहे हैं।
ध्वनि प्रदूषणः- अनावश्यक, असुविधाजनक और अनुपयोगी आवाज़ जो कानों को प्रिय न लगे शोर कहलाता है। शोर ही ध्वनि प्रदूषण है। जेट विमानों की भीषण गर्जन, सड़क पर मोटरों की आवाज, रेलगाड़ी की आवाजे, कारखानों से आने वाली तेज आवाज़े, लाउडस्पीकर का शोर ध्वनि प्रदूषण के उदाहरण हैं। शोर पर खोज करने वाले वैज्ञानिकों का मत है कि शोर एक अदृश्य प्रदूषण है जो

मानव को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। इसके कारण मनुष्य को सिरदर्द, बहरापन आदि रोग हो जाते है।

प्रदूषण दूर करने के उपाय:- सर्व प्रथम वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए इस प्रकार की तकनीक विकसित की जाए कि वाहन हानिकारक धुँआ न छोड़े। कारखाने आदि बिजली से ही चलें। जल प्रदूषण को दूर करने के लिए जल स्त्रोतों के स्थान पर गंदे पानी को न डाला जाए। ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए प्रदूषण करने वाले वाद्य यंत्रों पर नियंत्रण लगाया जाए। पर्यावरण संरक्षण के लिए वन संरक्षण को विशेष महत्व दिया जाए क्योंकि वृक्ष वातावरण को आॅक्सीजन प्रदान करते हैं। वृक्ष पर्यावरण संतुलन के सर्वोत्तम साधन है, क्योंकि-

‘‘अमृत देवे कर विष पान।
वृक्ष हमारे शंकर भगवान।।

इसलिए हम सभी मनुष्यों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाना चाहिए।

‘‘वृक्ष धरा के भूषण हैं।
करते दूर प्रदूषण हैं।।’’

उपसंहार:- इस दिन रात बढ़ते हुए प्रदूषण के प्रति जन सामान्य और सरकार दोनों सजग हो रहे हैं। जनसाधारण के स्तर पर चिपको आदि आंदोलन आए तथा सरकारी स्तर पर पर्यावरण रक्षा एवं वन मंत्रालय की स्थापना हुई प्रदूषण दूर करने के लिए हमें सच्चे मन से प्रयास करना चाहिए हमारी आने वाली पीढ़ी को हमारा सबसे अच्छा उपहार हो सकता है।

(ब) निम्नलिखित में से किसी एक विषय की रूपरेखा लिखिये: 3

1. बेटी बचाओ
2. राष्ट्रीय एकता
3. वन संरक्षण
4. पुस्तकालय का महत्व।